जागरण

# छोटे कारीगरों को आनलाइन बाजार देने के लिए योगी सरकार का बड़ा कदम, बिचौलिए होंगे खत्म, सीधे मिलेंगे खरीददार

आनलाइन मार्केटिंग के विस्तृत होते बाजार को देखते हुए योगी सरकार ने भी अपने छोटे कारीगरों और दुकानदारों के लिए बड़ा द्वार खोल दिया। एमएसएमई एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग ओडीओपी उत्पादों की आनलाइन बिक्री के लिए बनाए गए प्लेटफार्म ओडीओपी मार्ट को ओएनडीसी से जोड़ने जा रही है।

UMESH TIWARI

Publish: Thu, 09 Jun 2022 06:00 AM (IST)
Updated: Thu, 09 Jun 2022 09:00 AM (IST)

ओएनडीसी से जुड़ने वाला पहला राज्य होगा उत्तर प्रदेश

**लखनऊ [जितेंद्र शर्मा]।** ई-कामर्स कंपनियों का एकाधिकार खत्म करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उठाए गए एक कदम ने उत्तर प्रदेश के छोटे से छोटे कारीगर के लिए भी विश्व बाजार के रास्ते खोल दिए हैं। केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय ने जो ओपन नेटवर्क फार डिजिटल कामर्स (ओएनडीसी) प्लेटफार्म बनाया है, उससे उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार अपने पोर्टल odopmart.com को जोड़ने जा रही है।

ओएनडीसी प्लेटफार्म से जुड़ने के बाद ओडीओपी मार्ट पोर्टल पर पंजीकृत यूपी के सभी कारीगरों के उत्पाद उन सभी ई-कामर्स साइटों और सेलर ऐप पर भी प्रदर्शित होंगे, जो ओएनडीसी से जुड़े होंगे। इससे बिचौलिए भी खत्म होंगे और कारीगर मनचाही कीमत पर उत्पाद सीधे खरीददार को आनलाइन बेच सकेंगे।

यह भी पढ़ें
**समाजवादी पार्टी के एक और वरिष्ठ नेता कुंवर रेवती रमण सिंह भी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से नाराज**

उत्तर प्रदेश के पारंपरिक शिल्प को बढ़ावा देने के लिए योगी सरकार ने पहले कार्यकाल में सत्ता संभालते ही एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना शुरू की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस योजना को अपनी प्राथमिकता में रखा, जिसका परिणाम भी सामने आया। हर जिले से निर्यात का आंकड़ा बढ़ा। सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) का निर्यात 88 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर डेढ़ लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। अब इसे तीन लाख करोड़ के पार ले जाने का लक्ष्य है। इसी दिशा में सरकार एक महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रही है।

यह भी पढ़ें
**Ganga Dussehra 2022: प्रतापगढ़ से आई श्रद्धालु की तबीयत बिगड़ने से मौत, गंगा दशहरा पर सुलतानपुर में स्नान करने पहुंची थी महिला**

दरअसल, मोदी सरकार ने छोटे कारीगर और कारोबारियों को स्वतंत्र आनलाइन बाजार उपलब्ध कराने के लिए ओएनडीसी नाम से नेटवर्क बनाया है। देशभर की ई-कामर्स कंपनियों और सेलर ऐप को इस नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। इसके बाद यदि कोई व्यक्ति किसी भी ई-कामर्स प्लेटफार्म या ऐप पर जाकर कोई भी उत्पाद तलाशेगा तो उसे नेटवर्क से जुड़े प्रत्येक पोर्टल और ऐप पर उपलब्ध उत्पाद दिखाई देंगे। अभी एक ई-कामर्स साइट पर सिर्फ उसी से जुड़े उत्पाद दिखाई देते हैं।

यह भी पढ़ें
**Ganga Dussehra 2022: गंगा दशहरा पर सुलतानपुर में जुटी श्रद्धालुओं की भीड़, लाखों लोगों ने लगाई आदि गंगा गोमती में डुबकी**

आनलाइन मार्केटिंग के इस विस्तृत होते बाजार को देखते हुए योगी सरकार ने भी अपने छोटे कारीगरों और दुकानदारों के लिए बड़ा द्वार खोल दिया। एमएसएमई एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग ओडीओपी उत्पादों की आनलाइन बिक्री के लिए बनाए गए प्लेटफार्म ओडीओपी मार्ट को ओएनडीसी से जोड़ने जा रही है। प्रदेश के सभी 75 जिलों के ओडीओपी योजना में शामिल उत्पाद इस मार्ट पर पंजीकृत रहेंगे। वह सब ओएनडीसी के माध्यम से सभी ई-कामर्स साइट और सेलर एप पर दिखाई देंगे।

यह भी पढ़ें
**गोंडा में वन विभाग को मिली कामयाबी, पंद्रह दिन बाद आइआइटी कैंपस के कबाड़ रूम से पकड़ा गया तेंदुआ**

इसमें उत्पादों का कैटलाग प्रदर्शित होगा, जिस पर कारीगर खुद अपने अनुसार दाम निर्धारित करेगा। जैसे ही कोई उसे पसंद कर आर्डर देगा, उसकी सप्लाई कर दी जाएगी। इससे न सिर्फ कारीगरों को बड़ा आनलाइन बाजार मिलने जा रहा है, बल्कि ग्राहकों के सामने भी विकल्पों की भरमार होगी। ग्राहक और कारोबारी के बीच कोई कंपनी या एजेंसी बिचौलिए की भूमिका में नहीं रहेगी। 27 जून से इसका ट्रायल शुरू होने जा रहा है। उत्तर प्रदेश इस नेटवर्क से जुड़ने वाला पहला राज्य होगा।

यह भी पढ़ें
**बाराबंकी में युवक की हत्या से गांव में सनसनी, तीन आरोपित पुलिस की हिरासत में-एक की तलाश जारी**

लाजिस्टिक सर्विस का भी विकल्प : ओएनडीसी पर लाजिस्टिक पार्टनर भी पंजीकृत होंगे। ग्राहक को कोई उत्पाद पसंद आने पर यह बाध्यता नहीं होगी कि उसे संबंधित ई-कामर्स कंपनी से ही डिलीवरी लेनी होगी, बल्कि कोई भी लाजिस्टिक सर्विस का विकल्प चुन सकता है। प्रतिस्पर्धा में इसके दाम भी कम ही रहेंगे।

अपर मुख्य सचिव, एमएसएमई डा. नवनीत सहगल ने बताया कि ओएनडीसी से जुड़ने वाला उत्तर प्रदेश पहला राज्य होगा। इससे प्रदेश के सभी जिलों के छोटे कारीगरों के लिए असीमित आनलाइन बाजार खुल जाएगा। मुख्यमंत्री की मंशा है कि छोटे कारीगर किसी बिचौलिए के आश्रित न होकर ओएनडीसी और ओडीओपी मार्ट के माध्यम से अपने उत्पाद अपनी तय की हुई कीमत पर खुद आनलाइन बेच सकें। सारी तैयारियां हो चुकी हैं और 27 जून को इसका ट्रायल शुरू होने जा रहा है।